StudentBounty.com

नामांक Roll No.

No. of Sections — 3

No. of Printed Pages — 7

SS—32—SH.HD. (Hindi)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2013

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2013

हिन्दी शीघ्रलिपि

(SHORTHAND HINDI)

समय — $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक — 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।
2. तीनों खण्ड एक ही बैठक में लिखाये जायें ।
3. प्रथम एवं द्वितीय खण्डों तथा द्वितीय एवं तृतीय खण्डों के बीच में **4–4** मिनट का मध्यान्तर दिया जाये । तीनों खण्डों के संकेत लिपि श्रुतलेखों के हिन्दी अक्षरीकरण के लिए $2\frac{3}{4}$ घंटे का समय दिया जाए ।
4. केवल निम्न विराम-चिह्न ही लगाएं :

   पूर्ण विराम, अर्द्ध-विराम और प्रश्न-चिह्न एवं कोष्ठक ।
5. संकेत लिपि पेन्सिल से लिखा जाए तथा उसका अनुवाद हिन्दी में टंकण यंत्र / कम्प्यूटर से ही टंकित किया जाय । हाथ से लिखा मान्य नहीं होगा ।
6. संकेत लिपि में लिखा हुआ श्रुतलेख उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कर दिया जाए ।
7. संकेत लिपि के **20%** अंक रखे गये हैं ।
8. खण्ड प्रथम 4 मिनट, खण्ड द्वितीय 5 मिनट तथा खण्ड तृतीय 7 मिनट लिखवाने के रखे गए हैं । प्रत्येक खण्ड 80 शब्द प्रति मिनट की गति से बोला जाय ।

StudentBounty.com

प्रथम खण्ड 10

(इसे **80** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाए ।)

महेन्द्रा शू स्टोर

(थोक एवं फुटकर विक्रेता)

बी / II - 115

न्यू टावर, स्टेशन रोड,

सदर बाजार, जामनगर / (गुजरात) $\frac{1}{4}$

दिनांक 25 मई, 2012

पत्र क्रमांक 1680 / 18 / गुज०

व्यवस्थापक,

बाटा शू कम्पनी,

बी / 702 / तृतीय क्षेत्र, औद्योगिक नगर, /

नई दिल्ली ।

विषय : गलत माल भेजने के क्रम में ।

प्रिय महोदय,

हमारे द्वारा माह अप्रैल 2012 में प्रेषित / क्रयादेश में आज जूतो व चप्पलों के पार्सल प्राप्त $\frac{3}{4}$
हुए । जूतों व चप्पलों के पार्सल खोलने पर ज्ञात // हुआ कि माल हमारे द्वारा दिये गये वर्णन एवं 1
हमारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है । हमने 50 जोड़ी 3 से 9 / नम्बर तक की डायमण्ड लेडिज $1\frac{1}{4}$
चप्पलों के तथा 100 जोड़ी 6 से 10 नम्बर के थ्री स्टार सेण्डिलों के आदेश / दिये थे, परन्तु अत्यन्त $1\frac{1}{2}$
खेद के साथ लिखना पड़ रहा है कि डायमण्ड लेडिज चप्पलों के स्थान पर गोल्ड सुपर / लेडिज $1\frac{3}{4}$
चप्पल एवं थ्री स्टार सेण्डिलों के स्थान पर आपने वरुण सेण्डिल भेज दिये हैं ।

StudentBounty.com

आप द्वारा भेजे गये // माल की मांग हमारे यहाँ पर बहुत ही कम है । आप द्वारा भेजे गये 2
माल का स्टॉक हमारे पास / पहले ही पर्याप्त मात्रा में है । आप द्वारा भेजे गये इस प्रकार के माल से $2\frac{1}{4}$
हमें व्यावसायिक हानि हुई है / । हमारे द्वारा भेजे गये क्रयादेश के अमाव से हमारे अनेक ग्राहकों को $2\frac{1}{2}$
निराश लौटना पड़ा है ।

इस पत्र के प्राप्त / होते ही आप शीघ्र ही हमारे आदेशानुसार लेडिज चप्पले व सैंडिल भिजवाने $2\frac{3}{4}$
का कष्ट करें । आप द्वारा भेजे गये माल का // पार्सल यथावत रखा हुआ है । यदि आप इस माल 3
पर 30 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट दे सके तो हम इस माल / को रख सकते हैं अन्यथा आपके $3\frac{1}{4}$
निर्देशानुसार हम आपके माल को वापस भिजवा देंगे ।

आशा है आप हमारे आदेशित / माल को शीघ्र ही भिजवा देंगे तथा भेजे गये गलत माल के $3\frac{1}{2}$
सम्बन्ध में आप अपना निर्णय शीघ्र ही ले लेंगे / एवं आगे से इस प्रकार की शिकायत का मौका नहीं $3\frac{3}{4}$
देंगे ।

धन्यवाद ।

भवदीय

महेन्द्रा शू स्टोर के लिए,

महेन्द्र

प्रबन्धक //

2. **द्वितीय खण्ड** 10

(इसे प्रति मिनट **80** शब्दों की गति से लिखाए जाए ।)

राजस्थान सरकार

मंत्रि मंडल सचिवालय

क्रमांक प 15 (108) म० म० । 2012 जयपुर, दिनांक 25 जूलाई 2012/ $\frac{1}{4}$

परिपत्र

विषय : जिला स्तर पर मंत्रि मण्डल बैठकों का आयोजन ।

जिला की समस्याओं का गहन अध्ययन पर क्षेत्रीय विकास / की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते $\frac{1}{2}$
हुए विकास और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक गति देने हेतु राज्य सरकार ने जिला स्तर पर / $\frac{3}{4}$

StudentBounty.com

मंत्रि मण्डल की बैठकों का आयोजन करने का निर्णय लिया है । मंत्रि मण्डल की जिला स्तर बैठकों में // निम्न विषयों पर विचार कर निर्णय किया जायेगा ।

(1) नियमित विषय सूची

(2) श्रमिकों के लिए एवं अल्प आय / वर्ग, बी० पी० एल० परिवारों के लिए गृह निर्माण । $1\frac{1}{4}$

(3) प्रशासन द्वारा प्रेषित एवं प्रभारी मंत्री द्वारा / सूची बद्ध जिले एवं क्षेत्र से सम्बन्धित समस्याओं पर विचार । $1\frac{1}{2}$

(4) जिले की विभिन्न पेयजल समस्याओं यथा नलकूप, नवीन / पाइप लाइने, हैण्ड पम्प खुदवाना एवं खराब हैण्ड पम्पों को ठीक करवाना आदि पर विचार एवं क्रियान्वयन । $1\frac{3}{4}$

(5) वर्ष // 2012 - 2013 के लिए योजना मद से स्वीकृत बजट राशि रिलिज करवाने के बारे में विचार ।

(6) अनिवार्य शिक्षा / के अन्तर्गत शत प्रतिशत छात्र / छात्राओं का विद्यालय में प्रवेश, मिडडे मील की व्यवस्था, छात्रों का विद्यालय में अधिकतम / ठहराव, शुद्ध पानी की व्यवस्था, शौचालयों की व्यवस्था आदि पर विचार । $2\frac{1}{4}$ $2\frac{1}{2}$

(7) कतिपय विभिन्न विभागीय प्रकरण जो समन्वय के / अभाव में अवशेष हैं । $2\frac{3}{4}$

(8) विभिन्न संस्थाओं द्वारा सत्र 2011 में मेरिट के आधार पर किये गये प्रवेश के // लिए मानदेय दिये जाने के क्रम में । 3

जिलों में मंत्रि मण्डल की बैठकों में विचारणीय विषयों के बारे में आदेशानुसार / लेख है कि $3\frac{1}{4}$ सम्बन्धित कलेक्टर, सम्बन्धित शासन सचिव गण, क्षेत्रीय व जिले से सम्बन्धित समस्याएँ जिनका मंत्रि

StudentBounty.com

मण्डल स्तर पर समाधान होना है, / सम्बन्धित मंत्रीगण के माध्यम से मंत्रीमण्डल सचिवालय में $3\frac{1}{2}$
प्रेषित करेंगे । सम्बन्धित जिले के प्रभारी मंत्री महोदय, की जिले में / मंत्रि मण्डल बैठक से पर्याप्त $3\frac{3}{4}$
समय पूर्व क्षेत्र व जिले की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सूची बद्ध करने का कष्ट करेंगे।

ह —

उपशासन सचिव // 4

पत्रांक : 16 (108) म० म० / 2012 दिनांक 25 जुलाई, 2012

प्रतिलिपि सूचनार्थ व आवश्यक कार्यवाही हेतु : / $4\frac{1}{4}$

1. सम्बन्धित जिले के सांसद ।

2. सम्बन्धित विधान सभा क्षेत्र के विधायक ।

3. जिला कलेक्टर अपने जिले में मंत्रि मंडलीय आवश्यक बैठकों / का आयोजन करने हेतु $4\frac{1}{2}$
आवश्यक प्रबन्धन करें ।

4. आयुक्त, माध्यमिक शिक्षा विभाग, राजस्थान, बीकानेर ।

5. मुख्य अभियन्ता, जनस्वास्थ्य / अभियान्त्रिकी विभाग, जयपुर । $4\frac{3}{4}$

6. जिला प्रमुख, ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं का हल हेतु सम्बन्धित जन प्रतिनिधियों को बैठक
में आने हेतु पाबन्द करे ।// 5

ह —

उपशासन सचिव

3. **तृतीय खण्ड** 20

(इसे **80** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखाया जाए ।)

आज़ में जीना, सच्चा जीना

अधिकतर लोग या तो अतीत में जीते हैं या फिर भविष्य की चिन्ता करते हैं । / वर्तमान में जीने वाले बिरले ही होते हैं और जो वर्तमान को जीना सीख लेते हैं, वे कई चिन्ताओं से / मुक्त हो जाते हैं । एक दिन नहीं बल्कि एक पल ही महत्व का है और इसे हम जीना नहीं / चाहते इसकी लगातार उपेक्षा करते हैं । अपने जीवन की इच्छाएँ, आकांक्षाएँ और उपेक्षाओं को पूरा करने के लिए मात्र // हमारे पास एक पल ही है जो उपस्थित है और हम उस उपस्थित और उत्सुक पल की ऊर्जा व सामर्थ्य / को जीवन भर नकारते रहते हैं । सुख और दुख, उतार-चढ़ाव हमारे जीवन के $1\frac{1}{4}$ स्वभावगत और प्रकृति जन्य पड़ाव / है । जो घाटी जाते समय हमें चढ़ाव लगती है, वही आते समय $1\frac{1}{2}$ कब उतार में शामिल हो जाती है इसका / हमें भान नहीं रहता । हम केवल दु:ख व चढ़ाव को ध्यान $1\frac{3}{4}$ में रखते हैं और अपनी जीवन पद्धति में // हमने स्वयं दुख को अपना अतीत व चढ़ाव को अपना 2 भविष्य मान लिया है ।

वर्तमान की उपेक्षा व तिरस्कार / भविष्य को चौपट करने वाला है । हम समझते हैं कि हम $2\frac{1}{4}$ अभी मरेंगे नहीं, इसलिए जल्दीबाजी करने की जरूरत / क्या है । कल तो अपना है । विचारणीय $2\frac{1}{2}$ तथ्य यह है कि जिसने आज नहीं सहेजा, संवारा उसका / कल कैसे सुरक्षित रह पायेगा । हम लगे $2\frac{3}{4}$ हैं भौतिक-सुविधाएँ जुटाने में ''सामान सौ बरस का पल भर // की खबर नहीं ।'' मध्यम वर्गीय 3 परिवार में आज इतना घरेलू सामान मिल जायेगा कि घर कबाड़ खाना मालूम होगा / । लेकिन हमने $3\frac{1}{4}$ मोह पाला है, इसे नहीं बेचेंगे क्या पता कब काम आ जाए ? अधिकतर घर अनुपयोगी घरेलू / सामान $3\frac{1}{2}$

StudentBounty.com

StudentBounty.com

की वजह से कबाड़खानों में तब्दील हो गये है । लेकिन हम है कि यह सोचना ही नहीं / चाहते कि $3\frac{3}{4}$
— ''कफन में जेबे नहीं होती ।'' यह नकारात्मक विचार नहीं है, जीवन का यथार्थ है । प्रतिस्पर्धा
// व और भागमभाग को हमने जन्म दिया है । ईर्ष्या और आशंका हमारे जीवन की शैली बन गई 4
है ।/ अपने मित्र स्वजन और प्रियतम को भी हम अपना प्रतिद्वन्दी मानने लगे हैं जबकि परम सत्य $4\frac{1}{4}$
यह है कि — सरोवर में यदि हंस / रहने आये तो इससे बगुलों को कोई हानि नहीं होगी क्योंकि हंसों $4\frac{1}{2}$
का भोजन कमलों पर निर्भर है और बगुलों / का मछलियों पर । प्रतिस्पर्धा व प्रतिद्वन्दिता का हौवा $4\frac{3}{4}$
हमने खड़ा किया है । प्रकृति ने सभी जीवों की व्यवस्था की है ।// 5

महान विचारक बेस्टफील्ड का मत है कि ''मैं तुम्हें यहीं शिक्षा दूंगा कि तुम क्षणों का ध्यान
रखो घण्टे / स्वयं अपना ध्यान रखेंगे''। हमारी यहीं फितरत है कि हम सदैव दूसरों का ध्यान रखने $5\frac{1}{4}$
में अपनी अपार समय / ऊर्जा और शक्ति का अपव्यय करते हैं । यदि यहीं समय ऊर्जा शक्ति का $5\frac{1}{2}$
उपयोग स्वयं को देखने में करें / तो हम असली जीवन जीना सीख सकते हैं । समय सत्य है इससे $5\frac{3}{4}$
मुकरना नहीं मुस्कराना सीखो । समय का // सदुपयोग ही अपने जीवन को सार्थक कर सकता है । 6
समय अखण्ड, अनन्त और अमर है । वह कभी / बीतता नहीं, बीतते तो हम है । समय को सही $6\frac{1}{4}$
अर्थों में जानना ही सच्ची कला है ।

बुनकर टी० / वांशिगटन का कथन है — आज का दिन ही जीवन का अन्तिम दिन है $6\frac{1}{2}$
/ कल की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन हम कल पर ही निर्भर होते दिखाई देते $6\frac{3}{4}$
हैं ।// हमें इस विषय पर गम्भीरता से सोचना है । 7